



S-2519

**M.A. - I (Sem. I) Examination**  
**March / April - 2011**  
**Sanskrit - ICT - 01 : Paper - V**  
**(पुराण एवं इतिहास)**

- (१) श्रीमद्भागवतपुराण - स्कंध - प्रथम; अध्याय १-१९  
(२) रामायण अयोध्याकांड - अध्याय १५-३५

Time : Hours]

[Total Marks : 70

सूचना :

नीचे दशांशके निशानीवाणी विगतो उत्तरवडी पर अवश्य लखवी. Fillup strictly the details of signs on your answer book.	Seat No. :
Name of the Examination :	<input type="text"/>
<input type="text" value="M. A. I (Sem. 1)"/>	<input type="text"/>
Name of the Subject :	<input type="text"/>
<input type="text" value="SANSKRIT - ICT - 01 : PAPER - 5"/>	<input type="text"/>
Subject Code No. : <input type="text" value="2"/> <input type="text" value="5"/> <input type="text" value="1"/> <input type="text" value="9"/>	<input type="text"/>
Section No. (1, 2,.....): <input type="text" value="Nil"/>	<input type="text"/>
	Student's Signature

- १ (अ) कोई पशु बे श्लोको सानुवाढ समझवो : ८
- 1 (a) Explain any **two** of the following with translation : 8
- (१) निगमकल्पतरोगलितं फलं शुक्रमुखादमृतद्रवसंयुतम्।  
पिबत भागवतं रसमालयं मुहुरहो रसिका भुवि भावुकाः ॥१.३॥
- (२) ऋग्यजुः सामाऽथर्वाख्या वेदाश्चत्वार उद्धृताः।  
इतिहासः पुराणं च पञ्चमो वेद उच्यते ॥४.२०॥
- (३) ब्रह्मनद्यां सरस्वत्यामाश्रमः पश्चिमे तटे ।  
शम्याप्रास इति प्रोक्त ऋषीणां सत्रवर्धनः ॥७.२॥
- (४) अहो मे पश्यता ज्ञानं हृदि रूढं दुरात्मनः ।  
पारक्यस्यैव देहस्य बह्वयो मेऽक्षौहिणीर्हताः ॥८.४८॥
- (ब) कोई पशु बे श्लोको सानुवाढ समझवो : ८
- (b) Explain any **two** of the following with translation : 8
- (१) तदपूर्वं नरपतेदृष्ट्वा रूपं भयावहम् ।  
रामोऽपि भयमापन्नः पदा स्पृष्टेव पन्नगम् ॥१६.४॥

- (२) सत्यप्रतिज्ञं पितरं राजानं पश्य राघव।  
अथैव हि त्वां धर्मात्मा यौवराज्येऽभिषेक्ष्यति ॥१७.१२ ॥
- (३) कैकेय्याः प्रतिपत्तिर्हि कथं स्यान्मम पीडने ।  
यदि भावो न देवोऽयं कृतान्तविहितो भवेत् ॥१९.१४ ॥
- (४) प्राप्स्यसे परमं कामं मयि प्रत्यागते सति।  
यदि धर्मभृतां श्रेष्ठो धारयिष्यति जीवितम् ॥२१.२३ ॥

- २ 'श्रीमद्भागवतपुराणम्' अेक मडापुराण छे' आ विधाननी सविस्तर यर्या करो. १४
- 2 Shrimad Bhagavat puranam is one of the great Purana's 14  
Discuss the statement in detail.

**अथवा/OR**

- २ वीरचरित मडाकाव्य तरीके रामायणने मूलवो. १४
- 2 Evaluate the Ramayana as an epic composed by विरचरित. 14
- ३ नारदज्जुअे व्यासने आपेव उपदेश विषे सविस्तर यर्या करो. १४
- 3 Discuss in detail the preaching of naradji addressed to vedvyasa. 14

**अथवा/OR**

- ३ कलियुगथी पीडाता धर्म तथा पृथ्वीनो संवाद विगते यर्यो. १४
- 3 The plight and pathos of the earth and the religion in the 14  
kaliyug.

- ४ (अ) लक्ष्मणना प्रारब्ध अने पुरुषार्थ विषयक विचारो वर्णवो. १४
- 4 (a) Ideas of laxman on luck and human efforts. 14

**अथवा/OR**

- ४ (अ) रामायण - अयोध्याकांड (सर्ग १५-३५)ने आधारे रामनुं पात्रालेखन करो. १४
- 4 (a) Delineate the character-sketch of lord Rama on the 14  
basis of (canto 15-35) of the Ayodhyakand of the  
Ramayana.
- (ब) कोर्य पण बे विवेचनात्मक नोध लखो : १२
- (b) Write critical notes on any two : 12
- (१) अवतार कथन प्रसंग
- (1) The event of Avatar-kathan

- (२) श्री कृष्णानो द्वारका प्रसंग
  - (2) Arrival of lord Krishna of Dwarika.
  - (३) रामायण-अयोध्याकांड (सर्ग १५-३५)मां आवता पौराणिक उल्लेखो.
  - (3) The mythological references in (canto 15-35) of Ayodhyakand of the Ramayana.
  - (४) कैकेयीनुं पात्रालेखन.
  - (4) The character sketch of कैकेयी.
-